प्रख्यात रसायनविद् प्रो. हरित्मा चोपड़ा बनी मैत्रेयी महाविद्यालय की नियमित प्रधानाचार्या

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन ने रसायन विज्ञान की परम विदुषी प्रो. हरित्मा चोपड़ा को मैत्रेयी महाविद्यालय का स्थाई प्रधानाचार्य नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति का समाचार मिलते ही समूचा मैत्रेयी परिवार जश्न में डूब गया। शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारी हर कोई ढोल-नगाड़ों की धुन में थिरकते नजर आए। सभी एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे थे। गौरतलब है कि प्रो. चोपड़ा एक सुयोग्य प्राशसक, कुशल वक्ता एवं अत्यन्त विनम्र, मृदुभाषी स्वभाव की अति कर्मठ व लोकप्रिय प्रधानाचार्य हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अन्य सभी स्टॉफ की समस्याओं को सुनने और उसके समाधान के लिए सदैव तत्पर रहती हैं। यही कारण है कि वह पूरे महाविद्यालय परिवार में अतीव लोकप्रिय हैं। उन्हें महाविद्यालय में सभी के द्वारा अत्यन्त आदर एवं सम्मान मिलता है। उनकी लोकप्रियता का अन्दाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि जिस दिन उनकी प्राचार्या के रूप में स्थाई नियुक्ति का समाचार मिला, पूरा महाविद्यालय परिवार उनके स्वागत के लिए अत्यन्त बेसब्री के साथ इन्तजार कर रहा था। वह जैसे ही महाविद्यालय में पहुंची, बधाई देने वालों का तांता लग गया। प्रत्येक विभाग के शिक्षकगण एवं महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारीगण उन्हें बधाई देने के लिए अपनी बारी का इन्तजार करते देखे गए। सभी ने पुष्पगुच्छ एवं गुलदस्ता देकर उनके प्रति अपने आदर एवं सम्मान का इजहार किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने जमकर ठुमके भी लगाए। पूरे महाविद्यालय में सर्वत्र हर्ष एवं उल्लास का महौल छाया हुआ है। यहाँ यह भी बताते चले कि प्रो. चोपड़ा की गणना देश के उन चुनिन्दा प्राचार्यों में होती है, जो अपने दूरदर्शिता, पारदर्शिता के साथ अनुशासित एवं संतुलित निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं।

प्रो. चोपड़ा की प्रशासक के रूप में भूमिका अत्यन्त सराहनीय रही है। उनका प्रशासकीय कार्यकाल अनेकानेक अभूतपूर्व उपलबधियों का साक्षी रहा है। उनके नेतृत्व में महाविद्यालय ने पहली बार नैक से ए++ ग्रेडिंग प्राप्त की तथा एनआईआरएफ रैंकिंग में 86वें स्थान से 35वें स्थान पर पहुंचने में सफल रहा है। उनके कार्यकाल में ही लगभग 90 नियमित सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति हुई है। साथ ही इंडिया टुडे रैंकिंग में मैत्रेयी महाविद्यालय ने एक साल में सबसे तेजी से विकास करने वाला कॉलेज बना। यही नहीं उनके निर्देशन में मैत्रेयी महाविद्यालय स्टुडेंट्स युनियन का ऑनलाइन चुनाव सुसम्पन कराने वाला देश का पहला महाविद्यालय बना। साथ ही ऑनलाइन माध्यम से एलुमिनी मीट का आयोजन करके सबको आश्चर्यचकित कर दिया। कोरोना काल में जहाँ सर्वत्र जनजीवन अस्तव्यस्त एवं ठहर सा गया था, वहीं मैत्रेयी महाविद्यालय ने न केवल शिक्षण कार्यों का सुचारु संचालन किया अपितु असंख्य ऐसे कार्यक्रमों का ऑनलाइन क्रियान्वयन भी किया जिससे देश-दुनियां के किसी भी कोने में बैठे बहुसंख्यक विद्यार्थियों के साथ-साथ सामान्यजन भी अति लाभान्वित हुए। प्रो. हरित्मा चोपड़ा सन् 1995 में मैत्रेयी महाविद्याल्य के ही रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में नितुक्त हुई थीं। वर्ष 2017 से लेकर अब तक वे मैत्रेयी महाविद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या रही हैं। साथ ही इससे पहले वे महाविद्यालय की उपप्राचार्या का दायित्व भी निभाया था। इस प्रकार उनके पास एक लम्बा प्रशासकीय अनुभव है। ध्यातव्य है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से एमएससी और पीएचडी करने वाली प्रो. चोपड़ा का शोध स्वास्थ्य और पर्यावरण से संबंधित पहलुओं पर केंद्रित रहा है। उन्हें अपने शोध के लिए काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर), नई दिल्ली से फेलोशिप भी मिली है।

DU appoints Prof. Haritma Chopra as permanent Principal of Maitreyi College

New Delhi

In a significant academic development, University of Delhi has announced the appointment of Professor Haritma Chopra, a distinguished figure in the field of Chemistry, as the permanent Principal of Maitreyi College. The news, which was met with widespread elation, marks a celebratory chapter in the history of the college as its teaching and non-teaching staff got together to honor the occasion with joy and fervor.

Professor Chopra's appointment is a testament to her exceptional leadership and deep commitment to academic excellence. An adept administrator and orator, she is widely respected for her unwavering dedication to addressing the needs of students, faculty, and staff alike. Her empathetic and accessible nature has made her a beloved figure within the college community, a sentiment evident in the enthusiastic reception of her new role.

Her tenure as the Acting Principal since 2017 was marked by a series of remarkable achievements. Under her visionary leadership, Maitreyi College attained an A++ grade in its NAAC accreditation for the first time, and significantly improved its standing in the National Institutional Ranking Framework (NIRF), moving from 86th to 35th position. Additionally, the college experienced a rapid rise in the India Today rankings, becoming the fastest-growing institution in the country within a single year.

Professor Chopra has been at the forefront of numerous pioneering initiatives. She played a crucial role in the appointment of nearly 90 permanent assistant professors, strengthening the academic infrastructure of the college. Notably, under her guidance, Maitreyi College became the first institution in India to conduct its Student Union elections entirely in the online mode, a milestone that set a precedent for other educational institutions across the nation. With her innovative approach, she also enabled a virtual Alumni Meet that garnered widespread acclaim.

During the challenging period of COVID-19 pandemic, when educational activities across the globe were severely disrupted, Professor Chopra ensured that Maitreyi College not only continued its academic operations but also introduced a series of online programs that reached global audiences, providing significant benefits to students and the general public.

प्रवेश

मेहता

शहर 30S

रेल यातायात स्थगित रहेगा

नई दिल्ली। लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली जंक्शन से शाहदरा स्टेशन के बीच रेल यातायात को अस्थायी तौर पर स्थगित किया जाएगा। इस दौरान गाजियाबाद-दिल्ली जंक्शन, दिल्ली जंक्शन-साहिबाबाद, शामली-दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद-दिल्ली जंक्शन और दिल्ली जंक्शन-गाजियाबाद को रद्द किया गया। वहीं, कई ट्रेनों को रोककर चलाया जाएगा।

'गहलोत से ध्वजारोहण कराना देहात का सम्मान'

नई दिल्ली। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलौत से ध्वजारोहण कराने के फैसले का दिल्ली पंचायत संघ ने स्वागत किया है। पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव का कहना है कि ग्रामीण पृष्ठ भूमि के मंत्री से ध्वजारोहण कराने का फैसला कर उपराज्यपाल ने पूरे दिल्ली देहात क्षेत्र का सम्मान किया है।

प्रो. हरितमा चोपड़ा मैत्रेयी कॉलेज की प्राचार्य बनीं

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने रसायन विज्ञान की प्रोफेसर डॉ. हरितमा चोपड़ा को मैत्रेयी कॉलेज का स्थायी प्राचार्य नियुक्त किया है। उन्होंने बीते दिनों कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. हरितमा वर्ष 2017 से इसी कॉलेज में कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में काम कर रही थीं। कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में उनके नेतृत्व में ही मैत्रेयी कॉलेज ने पहली बार नैक मान्यता में ए प्लसप्लस ग्रेड हासिल किया। साथ ही राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में अपनी स्थिति में जबरदस्त सुधार करते हुए 86वें से 29वें स्थान पर पहुंचा।

सीबीआई को मूल दस्तावेज पेश करने के निर्देश

नई दिल्ली। बेसमेंट के सह-मालिकों की जमानत याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई से पूछा, क्या अगस्त 2023 में कोचिंग सेंटर के साथ-साथ आरोपी व्यक्तियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। बचाव पक्ष ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने नोटिस की टाइप कॉपी रिकॉर्ड में पेश करने को कहा है।